क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 65, शनिवार, 30 मार्च, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

महामंडलेश्वर भवानी मां को आम आदमी पार्टी ने इलाहाबाद से बनाया उम्मीदवार

नेशनल डेस्क। उत्तर प्रदेश की हाई प्रोफाइल लोकसभा सीट इलाहाबाद से आम आदमी पार्टी (आप) ने बड़ा दांव खेला है।क्के किन्नर अखाड़ा की भवानी मां को प्रत्याशी बनाया है। पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद सजंय सिंह ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। बता दें कि इलाबाद में छठवें चरण में 12 मई को मतदान होना है। 16 अप्रैल को नामांकन की अधिसूचना जारी होगी। इलाबाद सीट हाई प्रोफाइल सीट मानी जाती है। ऐसे में इस सीट पर देशभर की निगाह रहती है। इलाहाबाद से लाल बहादुर शास्त्री, वीपी सिं, मुरली मनोहर जोशी, जनेश्वर मिश्र जैसे दिग्गजों के साथ ही अभिनेता अमिताभ बच्चन यहां से सांसद रह चुके हैं। फिलहाल इलाहाबाद सीट से भाजपा के श्यामचरण गुप्ता सांसद हैं। हालांकि उन्होंने अब भारतीय जनता पार्टी का दामन छोड़कर समाजवादी पार्टी ज्वॉइन कर ली है। समाजवादी पार्टी ने उन्हें बांदा से अपना प्रत्याशी बनाया है। किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर भवानी मां को आम आदमी पार्टी में शामिल करते हुए संजय सिंह ने कहा, जिस किन्नर समाज की हर राजनीतिक पार्टी ने उपेक्षा की। हम उनके साथ हैं। मोदी सरकार तो एक बिल भी लाई थी, जिसमें वो किन्नरों को भिखारी केटेगरी में रखना चाहती थी। अब किन्नर समाज की भवानी मां इलाहाबाद लोकसभा सीट से लड़ाई जीतेंगे। वहीं आम आदमी पार्टी से जुड़ने के बाद किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर मां भवानी नाथ बाल्मीकि ने कहा, ÷मैं किसी को हराने नहीं आई हूं, मैं जीतने आई हूं, हमारा मुद्दा बेरोजगारी, नोटबंदी और जो वादे किए गए थे, वो सब हैं।

सरकार ने अंतरिक्ष में 'चौकीदार' तैनात करने के लिए कदम उठाए हैं

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार ने अंतरिक्ष में 'चौकीदार' तैनात करने के लिए कदम उठाए हैं। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की कि वे ऐसी सरकार के लिए मतदान करें जो केवल नारेबाजी नहीं करे बल्कि ठोस फैसले कर सके। प्रधानमंत्री ने ओडिशा में कोरापुट जिले के जयपुर इलाके में एक रैली के साथ ही पूर्वी भारत में चुनाव प्रचार मुहिम शुरू करते हुए कहा कि राजग सरकार लोगों के समर्थन के बिना देश में कोई विकास कार्य नहीं कर पाती। मोदी ने 2019 लोकसभा चुनाव के लिए अपने समर्थकों का आशीर्वाद मांगा और जोर देकर कहा कि राजग सरकार ने राज्य में विकास करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। मोदी ने कहा, ''पिछले पांच साल में सरकार ने आठ लाख परिवारों के लिए मकान बनाए हैं, 3000 घरों में बिजली पहुंचाई है और 40 लाख घरों को गैस कनेक्शन मुहैया कराया है।'' प्रधानमंत्री ने 'मिशन शक्ति' का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने अंतरिक्ष में 'चौकीदार' तैनात करने के लिए कदम उठाए हैं। 'मिशन शक्ति' के तहत भारत ने एक लाइव सैटेलाइट को मार गिराकर अपनी उपग्रह भेदी मिसाइल क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष के क्षेत्र की इस उपलब्धि को ''कम आंकने'' वाले विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा, ''जो लोग उपग्रह भेदी तकनीक की आलोचना कर रहे हैं, उन्हें चुनाव में उचित जवाब दिया जाएगा।'' उन्होंने लोगों से अपील की कि वे ऐसी सरकार के लिए मतदान करें।

45 दिनों में करीब 100 सभाओं को संबोधित करेंगी मायावती, ओडिशा से होगा आगाज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के साथ ही अन्य राज्यों में अपनी पार्टी के प्रत्याशी उतारने वाली बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती 2 अप्रैल से लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान की शुरुआत करने जा रही हैं। वह 17 मई तक लगातार कहीं न कहीं चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगी। सूबे में 7 अप्रैल को मायावती और सपा प्रमुख अखिलेश यादव देवबंद से संयुक्त रूप से चुनाव प्रचार का श्रीगणेश करेंगे। बसपा ने 17वीं लोकसभा के लिए उत्तर प्रदेश के साथ ही लगभग हर राज्य में प्रत्याशी खड़े किए हैं। हालांकि, अबकी बार पार्टी सपा और रालोद से गठबंधन कर उत्तर प्रदेश में चुनाव मैदान में उतरी है। पार्टी प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिए बसपा सुप्रीमो मायावती 45 दिनों में करीब 100 सभाएं करेंगी। मायावती की औसतन दो सभाएं रोज होंगी। मायावती पहली चुनावी जनसभा 2 अप्रैल को ओडिशा में संबोधित करेंगी। 3-4 अप्रैल को आंध्रप्रदेश व तेलंगाना, 5 अप्रैल को नागपुर में सभाएं रखी गई हैं। 10 अप्रैल को बसपा प्रमुख मैसूर-चेन्नई में, 11 अप्रैल को केरल में और 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ.भीमराव आंबेडकर की जयंती पर मायावती छत्तीसगढ़ के जांजगीर संसदीय क्षेत्र में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगी। खास बात यह है कि बसपा के संस्थापक कांशीराम ने 1984 में इस क्षेत्र से ही पहला चुनाव लड़ा था। तब यह क्षेत्र मध्यप्रदेश में था। 17 अप्रैल को बसपा सुप्रीमो की गुजरात के अहमदाबाद में चुनावी जनसभा होगी। दूसरे राज्यों की सभाओं के बीच नवरात्र के दौरान 7 अप्रैल को मायावती और अखिलेश यादव देवबंद में संयुक्त रैली से सूबे में चुनावी शंखनाद करेंगे। संयुक्त रैली में राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष अजित सिंह भी मौजूद रहेंगे। गठबंधन के मद्देनजर मायावती सपा के कोटे वाली सीटों पर अखिलेश के साथ संयुक्त चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगी। इसके साथ ही मायावती बसपा के कोटे वाली सभी 38 सीटों पर भी चुनावी जन सभाएं होंगी। चुनावी सभाएं मतदान के अंतिम चरण से पहले 17 मई तक लगातार जारी रहेंगी। ज्यादातर चुनावी दौरे में मायावती के साथ उनके भतीजे आकाश के अलावा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद सतीश चंद्र मिश्र मौजूद रहेंगे। वहीं चुनावी रणनीति बनाने के तहत रालोद नेता जयंत चौधरी मायावती आवास पर उनसे मिलने पहुंचे।

इलेक्शन डायरीः सोनिया का विरोध हुआ तो मनमोहन बने : कांग्रेस

जालंधर।

1999 में दोबारा सत्ता में आए अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार शाइनिंग इंडिया के नारे पर सवार होकर 2004 में एक बार फिर सत्ता में आने की उम्मीद कर रही थी लेकिन चुनाव के नतीजे आए तो भाजपा कांग्रेस के मुकाबले 7 सीटों से पिछड़ गई। भाजपा को इस चुनाव में 138 सीटें प्राप्त हुईं जबकि कांग्रेस 145 सीटें लेकर सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी। देश में हंग पार्लियामैंट की स्थिति में राष्ट्रपति अब्दुल कलाम के सामने भी यह बड़ी चुनौती थी कि किस पार्टी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया जाए। तमाम कानूनी सलाहों के बाद राष्ट्रपति ने पुरानी परम्परा के तहत कांग्रेस को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। बतौर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी प्रधानमंत्री पद की सबसे प्रबल दावेदार थी लेकिन उनके विदेशी मूल के मुद्दे ने ऐसा तूल पकड़ा कि एक बार तो राष्ट्रपति अब्दुल कलाम के लिए भी यह निर्णय लेना मुश्किल हो गया कि सोनिया गांधी को शपथ के लिए बुलाया जाए या नहीं। इस दौरान सोनिया गांधी के विरोध में नेताओं और लोगों के ई-मेल की राष्ट्रपति भवन में बाढ़ आ गई जिनमें सोनिया गांधी को प्रधानमंत्री बनाए जाने का विरोध किया जा रहा था लेकिन इस तमाम विरोध के बावजूद कलाम सोनिया गांधी को प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाने के लिए तैयार थे। राष्ट्रपति भवन को कांग्रेस की तरफ से सूचना दी गई कि सोनिया गांधी 18 मई 2004 को दोपहर 12.15 बजे उन्हें मिलेंगी लेकिन वह अकेली नहीं गईं और उनके साथ मनमोहन सिंह थे।

इस दौरान सोनिया ने राष्ट्रपति को बताया कि उनके पास संख्या बल है लेकिन सांसदों के समर्थन की चिट्ठी नहीं है। इस चर्चा के बाद वह 19 मई को दोबारा राष्ट्रपति से मिलने की बात कह कर चली गईं। इसके बाद कांग्रेस ने राष्ट्रपति भवन को सूचित किया कि सोनिया उन्हें रात 8.15 बजे मिलेंगी। 8.15 बजे सोनिया फिर मनमोहन सिंह के साथ गईं और उन्हें मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री नियुक्त करने के साथ-साथ सांसदों के समर्थन की चिट्ठी भी दी।

अमित शाह का अहमदाबाद में रोड शो, ठाकरे और बादल भी होंगे शामिल

नेशनल डेस्क।

भाजपा के वरिष्ठ नेता, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल शनिवार को अहमदाबाद में भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के रोड शो में मौजूद रहेंगे। गुजरात भाजपा अध्यक्ष जीतू वघानी ने शुक्रवार को यहां यह घोषणा की। सुबह रोड शो के बाद शाह गांधीनगर लोकसभा सीट के लिए नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। वघानी ने कहा कि ठाकरे और बादल के अलावा केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी भी रोड शो में भाग लेंगे। चार किलोमीटर लंबा रोड शो अहमदाबाद के नारनपुरा इलाके में सरदार पटेल प्रतिमा से शुरू होगा और घाटलोदिया इलाके में पाटीदार चौक पर खत्म होगा। वघानी ने कहा कि शाह हमारे दो केंद्रीय मंत्रियों और राजग नेताओं बादल तथा ठाकरे की मौजूदगी में सरदार पटेल प्रतिमा से अपना रोड शो शुरू करने से पहले लोगों को संबोधित भी करेंगे। वह आज रात गुजरात पहुंच सकते हैं और रोड शो कल सुबह नौ बजे शुरू होगा। पाटीदार चौक से शाह नामांकन पत्र भरने अपनी कार से गांधीनगर जाएंगे। गुजरात से राज्यसभा के लिए चुने गए शाह को भाजपा ने एल के आडवाणी के स्थान पर गांधीनगर लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। वघानी के अनुसार, पार्टी कार्यकर्ता गांधीनगर में मानव श्रृंखला बनाकर शाह का स्वागत करेंगे। गुजरात की सभी 26 सीटों पर मतदान 23 अप्रैल को होगा। नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तारीख चार अप्रैल है। गुजरात की सभी 26 सीटों पर मतदान 23 अप्रैल को होगा। नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तारीख चार अप्रैल है।

चुनाव जीतने के लिए भगवान राम का नाम इस्तेमाल कर रही भाजपाः ममता

नेशनल डेस्क।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए धार्मिक कार्ड खेल रही है और भगवान राम के नाम का इस्तेमाल कर रही है, हालांकि वह अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण करने में नाकाम रही है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि उन्होंने चुनाव जीतने के लिए कभी धर्म का इस्तेमाल नहीं किया बल्कि वह सभी धर्मों का सम्मान करती हैं। उन्होंने मारवाड़ी समुदाय की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि भाजपा चुनाव के लिए धर्म का इस्तेमाल करती है। वह भगवान राम का नाम लेकर चुनाव लड़ते हैं लेकिन पांच वर्षों में एक राम मंदिर नहीं बना सके। ममता ने कहा कि हम चुनाव जीतने के लिए धर्म का इस्तेमाल नहीं करते। हम राम या रहीम, सिख या ईसाई सभी के साथ हैं। उन्होंने कहा कि अगर आम चुनावों के बाद विपक्षी गठबंधन सत्ता में आएगा तो जीएसटी की समीक्षा और नोटबंदी की जांच की जाएगी।

समझौता बम विस्फोट मामले के फैसले पर माकपा ने उठाये सवाल

नई दिल्ली। माकपा के महासचिव सीताराम येचुरी ने समझौता एक्सप्रेस बम विस्फोट मामले में उग्र हिंदुत्व चरमपंथियों की भूमिका को नकारने वाले अदालत के फैसले पर सवाल उठाते हुये कहा कि यह मामला इस बात का प्रमाण है कि भारत में उग्र हिंदुत्ववादी चरमपंथियों को सजा नहीं मिलती है। येचुरी ने शुक्रवार को माकपा के मुखपत्र पीपुल्स डेमोक्रेसी के संपादकीय लेख में कहा कि 2006 से 2008 के दौरान कट्टर हिंदूवादी संगठनों द्वारा छह चरमपंथी हमलों को अंजाम दिया गया। उन्होंने कहा कि हमलों की वारदातों में असीमानंद, प्रज्ञा ठाकुर और लेफ्टीनेंट कर्नल श्रीकांत पुरोहित मुख्य षडयंत्रकारी के रूप में आरोपित किये गये। येचुरी ने कहा, ''असीमानंद सहित तीन अन्य आरोपियों को बरी किया जाना ऐसा शर्मनाक अनुभव है जो याद दिलाता है।

गुजरात हाई कोर्ट से हार्दिक पटेल को झटका, नहीं लड़ पाएंगे लोकसभा चुनाव

अहमदाबाद।

गुजरात हाई कोर्ट ने कांग्रेस में हाल में शामिल हुए पाटीदार आरक्षण आंदोलन समिति (पास) के पूर्व नेता हार्दिक पटेल को आज एक बड़ा झटका देते हुए एक निचली अदालत से मिली उनकी सजा पर रोक लगाने संबंधी उनकी अर्जी को आज खारिज कर दिया। हार्दिक ने गत आठ मार्च को यह अर्जी अदालत में इसलिए दी थी ताकि उनके लोकसभा चुनाव लडने में कोई अड़चन नहीं आए। न्यायमूर्ति ए जी उरैजी की अदालत ने इस मामले में सुनवाई कल पूरी कर ली थी और आज अपना फैसला सुनाया। उनके वकील आई एच सैयद और रफीक लोखंडवाला तथा सलीम सैयद की दलील थी कि उनके मुवक्किल के खिलाफ निचली अदालत ने बिना पर्याप्त सबूत के ही सजा दे दी है। उन्होंने यह भी दलील दी थी कि गैर इरादतन हत्या के एक मामले में सजा के बाद सांसद पद गंवाने वाले पंजाब के मंत्री तथा पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत की तर्ज पर हार्दिक को राहत मिले। हालांकि सरकारी वकील ने इसका विरोध करते हुए कहा कि हार्दिक के मामले की तुलना सिद्धू के मामले से नहीं हो सकती। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि हार्दिक अब क्या कदम उठायेंगे पर समझा जाता है कि अब वह सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटायेंगे। उनके एक वकील सलीम एम सैयद ने यूएनआई से कहा कि अदालत के आदेश का व्यापक अध्ययन किया जायेगा पर वह हार्दिक को सुप्रीम कोर्ट का रूख करने की सलाह देंगे। कल सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने कहा था कि हार्दिक के खिलाफ लगभग डेढ़ दर्जन मामले दर्ज हैं। कानून तोडने वाले को कानून बनाने वाला नहीं बनाया जाना चाहिए। समाज सेवा के लिए विधायक या सांसद बनना अनिवार्य नहीं है। हार्दिक के आचरण से स्पष्ट है कि वह कानून का सम्मान नहीं करते और उन्हें मिली जमानत की शर्तों का भी उल्लंघन करते रहे हैं। यह देखना रोचक होगा कि कांग्रेस पार्टी कब तक जामनगर सीट, जहां से चुनाव लडने की इच्छा हार्दिक ने जतायी थी, के लिए किसी उम्मीदवार की घोषणा रोक कर रखती है। राज्य की सभी 26 सीटों पर एक साथ 23 अप्रैल को तीसरे चरण में मतदान होगा। इसके लिए नामांकन कल ही शुरू हो गया और चार अप्रैल तक चलेगा। हार्दिक गत 12 मार्च को कांग्रेस में शामिल हुए थे। ज्ञातव्य है कि हार्दिक को राज्य के महेसाणा जिले के विसनगर में 23 जुलाई 2015 को एक आरक्षण रैली के दौरान हुई हिंसा और तत्कालीन स्थानीय भाजपा विधायक रिषिकेश पटेल के कार्यालय पर हमले और तोडफ़ोड़ के मामले में पिछले साल 25 जुलाई को एक स्थानीय अदालत ने दो साल के साधारण कारवास की सजा सुनाई थी। उन पर जुर्माना भी लगाया गया था। नियम के मुताबिक दो साल या उससे अधिक की सजा वाले लोग चुनाव नहीं लड़ सकते। इसी वजह से हार्दिक एक बार फिर गुजरात हाई कोर्ट का रूख किया था। उक्त मामले में अदालत ने कुल 17 में से 14 आरोपियों को बरी कर दिया था जबकि हार्दिक तथा दो अन्य को उक्त सजा सुनायी थी। हार्दिक को बाद में हाई कोर्ट ने नियमित जमानत दे दी थी पर निचली अदालत के फैसले रद्द करने की उनकी एक अन्य अपील पर कोई फैसला नहीं दिया था।

भाजपा ने अरुणाचल में अपने दम पर सरकार बनाने के लिए बनाई बढ़त

ईटानगर।

अरुणाचल प्रदेश में लोकसभा और विधानसभा चुनावों से पहले ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीन विधानसभा सीट जीत कर बढ़त बना ली है। भाजपा के पूर्वोत्तर क्षेत्र के पार्टी प्रभारी राम माधव ने कहा कि चीन की सीमा से सटे अरुणाचल प्रदेश में पार्टी पहली बार अपने दम पर सरकार बनाने जा रही है और शुरुआती रुझान इसका इशारा कर रहे हैं कि आगे क्या होने वाला है। उल्लेखनीय है कि 2016 में मुख्यमंत्री पेमा खांडू भाजपा में शामिल हो गए थे जिसकी वजह से भाजपा चुनाव में जीते बिना ही सत्ता में आ गई थी। भाजपा के राज्य में 12 विधायक हैं और खांडू के पार्टी में शामिल होने से पहले वह पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल के साथ गठबंधन में थे। उत्तर-पूर्व लोकतांत्रिक गठबंधन (नेडा) के संयोजक हेमंता बिस्वा शर्मा की देख-रेख में ही अरुणाचल प्रदेश, असम के बाद भाजपा के शासन में आने वाला दूसरा राज्य बना। उन्होंने कहा कि चीन की सीमा के नजदीक तथा रणनीतिक रूप से स्थित राज्य में 2019 तक के पांच साल के कार्यकाल में तीन मुख्यमंत्री के अधीन पांच बार सरकारें आई और गई हैं। शर्मा ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि अरुणाचल प्रदेश में पहली बार भाजपा अपने दम पर सरकार बनाएगी और राज्य को लंबे समय से वंचित एक स्थिर और मजबूत सरकार प्रदान करेगी। भाजपा की विधानसभा चुनाव में जीत के साथ राज्य की दो संसदीय सीटें जीतने पर भी आस्वस्त है। प्रदेश में दो लोकसभा सीटे हैं जिनमें से पश्चिमी अरुणाचल सीट का प्रतिनिधित्व केन्द्रीय राज्य मंत्री किरण रिजिजू कर रहे हैं तथा पूर्वी सीट से कांग्रेस के निनोंग एरिंग हैं जिनको पार्टी ने इस बार विधानसभा की पासीघाट सीट से टिकट दिया है। राज्य में 11 अप्रैल को विधानसभा एवं लोकसभा के चुनाव एक साथ होने हैं।

गाड़ीवालों के लिए बड़ी राहत, 1 अप्रैल से नहीं बढ़ेगी कार और बाइक की बीमा दरें

बेंगलुरु।

इंश्योरेंस रेगुलेटरी ने दिया गाड़ी वालों को बड़ा तोहफा दिया है। उन्होनें ऐलान किया है कि इस बार बाइक, कार या कमर्शल वाहनों के थर्ड पार्टी इंश्योरेंस प्रीमियम में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। लेकिन पिछले एक दशक से अप्रैल के आसपास मोटर थर्ड पार्टी इंश्योरेंस के प्रीमियम में 10-40 फीसदी तक की बढ़ोतरी की जाती थी। हालांकि पिछले साल बाइक, कार और टैक्सी के प्रीमियम में 10-20 प्रतिशत की कटौती की गई थी। इस वित्त वर्ष में इंश्योरेंस रेग्युलेटरी ऐंड डिवेलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने प्रीमियम में कोई बदलाव न करे का फैसला किया है। रेग्युलेटर थर्ड पार्टी मोटर कवर की दरों का निर्धारण करता है और पर्सनल ऐक्सिडेंट के मामले में दरों की की निर्धारण की अनुमति बीमाकर्ता को देता है। इस साल उम्मीद थी कि इंश्योरेंस रेट में 20 से 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी लेकिन ऐसा नहीं किया गया है। उपभोक्ताओं ने इस फैसले का स्वागत किया है। गुरुवार को आईआरडीएआई ने कहा कि 1 अप्रैल 2018 को लागू की गईं प्रीमियम की दरें ही इस वित्त वर्ष में भी लागू होंगी। दूसरे शब्दों में कहें तो लोग जितना चार्ज दे रहे हैं, अगली नोटिस तक वही देना होगा। 75 सीसी से कम इंजन वाले दुपहिया वाहनों की दरें पहले की ही तरह 427 रुपए होंगी। इसके अलावा 75 से 150 सीसी तक के इंजन वाले दुपहिया वाहनों को प्रीमियम 720 रुपए होगा। हाइपावर बाइक की दरें पहले की ही तरह 985 रुपए रहेंगी। छोटी कार वालों को 1,850 रुपए का प्रीमियम देना होगा और एसयूवी का चार्ज 7,890 रुपए होगा। ऑटो रिक्शा और ई-रिक्शा का रेट क्रमशः 2,595 और 1,685 रुपए रहेगा। छोटी टैक्सियों के लिए।

संपादकीय

नफरत से लड़ते हुए

यह सुखद है कि सदियों के संघर्ष के बाद अर्जित मानव मूल्यों पर जब भी किसी कोने से कोई गंभीर हमला होता है, तो उसके खिलाफ उसी खित्ते के लोग मुखरता के साथ खड़े होने लगे हैं। इस लिहाज से फेसबुक ने श्वेत राष्ट्रवाद यानी 'व्हाइट नेशनलिज्म' की पैरोकारी वाली हर तरह की कार्रवाई को प्रतिबंधित करने का जो फैसला किया है, वह भले जनभावना के दबाव में उठाया गया कदम हो, इसकी सराहना की जानी चाहिए। पिछले दिनों इसी नस्लवादी विचारधारा से प्रेरित हत्यारे ने क्राइस्टचर्च की दो मस्जिदों में करीब 50 नमाजियों के नरसंहार का सीधा प्रसारण करके दुनिया को दहला दिया था। तभी से सोशल मीडिया के तमाम माध्यमों पर नफरत भरी कार्रवाइयों को हतोत्साहित करने का दबाव बढ़ गया है। बताने की जरूरत नहीं कि फेसबुक के साथ ट्विटर, इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब पर ऐसी सामग्रियों की भरमार है, जो समाज में घृणा के जहर घोलने का काम कर रही हैं। निस्संदेह, सोशल मीडिया के इन मंचों की लोकप्रियता या यूएसपी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है। इनके अरबों-खरबों के कारोबार का यही आधार है। मगर दिक्कत यह है कि यह बेलगाम आजादी अब गंभीर अंतर्विरोधों को जन्म देने लगी है और इसके साये में दहशत और नफरत के कारोबारी सक्रिय हो गए हैं। ऐसे में, स्वाभाविक है कि उदार से उदार समाजों और देश में भी अब इसकी समीक्षा की मांग जोर पकड़ रही है। तकनीकी तरक्की के मौजूदा युग में रोज नए-नए एप और वेबसाइटें गलत-सही सूचनाओं का अंबार लिए हमारे सामने आ खड़ी होती हैं। ऐसे में, ये कानून-व्यवस्था के लिए भी जटिल चुनौतियां पेश कर रही हैं। फेसबुक को ही लीजिए, रोजाना करीब डेढ़ अरब लोग दुनिया भर में इस मंच पर सक्रिय होते हैं। इतनी बड़ी जनसंख्या से आप संजीदगी बरतने की अपेक्षा नहीं कर सकते। तब तो और, जब ज्यादातर देशों के पास साइबर अपराधों से निपटने का मुकम्मल ढांचा तक नहीं। ऐसे में, यह जिम्मेदारी सोशल मीडिया के माध्यमों पर ही आयद होनी चाहिए कि वे अपनी साइट पर जाने वाली सामग्रियों की निगरानी का ठोस तंत्र विकसित करें। सोशल मीडिया की बढ़ती ताकत सामाजिक ताने-बाने के लिहाज से ही संवेदनशील मसला नहीं है, अब यह लोकतंत्र के लिए भी गंभीर चुनौती के रूप में सामने है। अमेरिका के पिछले राष्ट्रपति चुनाव में इसके जरिए रूसी हस्तक्षेप का मामला अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। हमारे आम चुनाव में भी एक बड़ी लड़ाई फेसबुक और ट्विटर पर लड़ी जा रही है। इसका सकारात्मक पहलू यह है कि फेसबुक-ट्विटर जैसे माध्यम उन पार्टियों और उम्मीदवारों के लिए एक सशक्त मंच बनकर उभरे हैं, जिनके पास चुनाव लड़ने के लिए आयोग द्वारा निर्धारित खर्च सीमा जितनी रकम भी नहीं। फेसबुक वगैरह का मकसद यही होगा कि सबको एक बराबर मंच मुहैया कराकर इसके जरिए अपने कारोबार का विस्तार किया जाए। लेकिन जैसा कि हरेक अच्छी पहल के साथ होता है, यह मंच भी बुरे पक्षों का शिकार बन गया है। कहने की जो आजादी मनुष्य के लिए सबसे बड़ा मूल्य है, उसे कुछ हत्यारों और असामाजिक तत्वों के कारण पाबंदियों का शिकार बनना पड़ा है। मगर इस मोड़ पर भी हम यही कामना करेंगे कि नफरतों को मिटाने के क्रम में अभिव्यक्ति की आजादी की हर सूरत में हिफाजत हो।

ट्वीट

महान

धर्मेंद्र ,गोविंदा, हेमामालिनी, जयाप्रदा, द्वारा लोकतंत्र की दशकों तक की गई महान सेवा के बाद हर दल में आए लोकतंत्र के नए सेवकों निरहुआ, रवि किशन, सुश्री उर्मिला मातोंडकर का स्वागत है! जल्द ही कुछ और महान सेवक-सेविकाएं देश ''को' बनाने आगे आएंगें।

कुमार विश्वास, कवि

पर्यावरण के लिए बच्चों की वैश्विक मुहिम

प्रीतम सिंह

दुनिया के इतिहास में नया अध्याय लिखा जा रहा है। पर्यावरण में आए बदलावों पर पहली बार भूमिकाएं बदलते हुए बच्चे अपने से बड़ों की अगुआई कर रहे हैं। आज हम लोग जिस किस्म की पर्यावरणीय एवं सामाजिक तबाही के कगार पर खड़े हैं, उसकी इतनी संभावना इससे पहले शायद ही कभी पृथ्वी पर बनी होगी। यदि अगले एक दशक में इसकी रोकथाम करने में हम असफल रहे तो इसके भयावह परिणाम भुगतने होंगे। इस परिणाम से बचाव हेतु जो भी नीतिगत उपाय अथवा आपातकालीन कदम उठाए जा सकते हैं, वे सब उन वयस्कों (राजनेताओं) के हाथ में हैं, जिन्हें अन्य वयस्कों (मतदाताओं) ने चुना है। फैसलों या नीतियां बनाने की प्रक्रिया में बच्चों की आवाज की कभी कोई गुंजाइश नहीं रही है लेकिन यह भी सच है कि संभावित भयंकर तबाही के सबसे बड़े भुक्तभोगी आज के बच्चे या आगे उनके बच्चे होंगे। यह खतरनाक मंजर, जिसकी सच में बदलने की पूरी-पूरी संभावना है, इसने बच्चों को सिविल विद्रोह करने पर आमादा किया है। गोकि मतदान करने और नीतियां बनाने वाले राजनीतिक नुमाइंदों को चुनने का कानूनन उन्हें हक नहीं है तथापि लोगों को चेताने और नीति-निर्धारकों पर दबाव बनाने हेतु बच्चों ने सड़कों पर उतरकर अलख जगाने की राह अपनाई है। शुक्रवार, 15 मार्च के दिन विश्व के कई शहरों में स्कूली विद्यार्थियों ने पर्यावरण संबंधी प्रदर्शनों में भाग लिया और भविष्य में भी शुक्रवार के दिन ऐसा करने का फैसला लिया है, जिसे उन्होंने 'फाइडेज़ फॉर फ्यूचर' (अपने भविष्य के लिए शुक्रवार) का नाम दिया है। इस दिन दुनियाभर के कई शहरों में कुल मिलाकर लाखों की संख्या में विद्यार्थी स्कूल न जाकर सड़कों पर उतरे थे और रैलियां आयोजित करते हुए पर्यावरण में आ रहे बदलावों पर विरोध प्रदर्शन किए थे। भारत की राजधानी दिल्ली समेत 125 से ज्यादा देशों में हजारों की गिनती में रैलियां हुई थीं, जिसके चलते इसको इतिहास में पर्यावरण के मुद्दे पर बच्चों और किशोरों की ओर से किए सबसे बड़े यत्न के तौर पर दर्ज किया गया है। केवल यूके में ही 100 से ज्यादा शहरों और कस्बों में इस किस्म के प्रदर्शन किए गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर की एकत्रता सबसे बड़ी थी, जिसमें 30,000 से ज्यादा बच्चे 'पर्यावरण यात्रा' में शामिल हुए थे। इन्होंने अपने अभियान का नाम 'फाइडेज फॉर फ्यूचर' इसलिए रखा है क्योंकि आगे भी शुक्रवार के दिन बच्चे स्कूल जाने की बजाय सड़कों पर उतरकर अपना विरोध दर्ज करवाएंगे ताकि विश्व नेताओं का ध्यान अपने भविष्य पर मंडराती पर्यावरणीय तबाही की ओर दिलवाया जाए। एक जमाने में प्रचलन में रही अर्ध-पूंजीवादी आर्थिक व्यवस्था की बनिस्पत जो आर्थिक व्यवस्था मौजूदा समय में अपना रखी है, वह पर्यावरण के लिए सबसे ज्यादा तबाहकुन सिद्ध हुई है। पूंजी, जिस पर पूंजीवादी व्यवस्था की तमाम आर्थिक गतिविधियां टिकी होती हैं, वह प्रकृति यानी धरा, पानी, खनिज स्रोत, वन, मत्स्य भंडार और हवा को सोच-समझकर इस्तेमाल करने की बजाय इन प्राकृतिक संसाधनों का अधिक-से-अधिक दोहन करके मोटा मुनाफा बनाने की होड़ में है। ज्यादा-से-ज्यादा लाभ कमाने के लिए बनाई गई आर्थिक नीतियों का पृथ्वी पर दीर्घकालीन पर्यावरण संतुलन बनाए रखने वाली मूल आवश्यकता से सीधे-सीधे टकराव रहता है।

सतत पर्यावरण संतुलन का मूल भाव पीढ़ी-दर-पीढ़ी सबको एक समान प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल करने का अवसर देने पर टिका है। यानी भावी पीढ़ियों को भी प्राकृतिक स्रोत की मात्रा और शुद्धता उतनी ही प्राप्त हो सके, जितनी वर्तमान पीढ़ी और हमारे पूर्वजों के नसीब में थी। अगर मौजूदा पीढ़ी प्राकृतिक संसाधनों का उपभोग अपनी जरूरतों से कहीं अधिक करेगी, विशेषकर वह जिनका चक्रीकरण नहीं किया जा सकता तो आने वाली नस्लों के हिस्से न केवल न्यूनतम स्रोत आएंगे बल्कि ऐसी जमीन, जंगल, पानी और हवा की विरासत हाथ लगेगी जो प्रदूषण से विषैली होगी। बिना शक इस बात के पुख्ता सुबूत हैं कि हमारी मौजूदा पीढ़ी प्राकृतिक संसाधनों का जरूरत से ज्यादा दोहन कर रही है और अपने पीछे कहीं ज्यादा अवशेष एवं प्रदूषण छोड़ कर जाएगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन और नासा द्वारा उपलब्ध करवाए गए नवीनतम आंकड़ों के अनुसार विश्व की 91 प्रतिशत जनसंख्या ऐसे इलाके में रहती है जहां वायु में प्रदूषण तयशुदा मानकों से कहीं ज्यादा ऊपर है। भारत में वायु गुणवत्ता तो विशेषकर बदतर है। जैविक ऊर्जा स्रोत यानी पेट्रोलियम और कोयले के बहुत ज्यादा इस्तेमाल से ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन पैदा होता है, जिससे पृथ्वी का तापमान बढ़ता है और इसके नतीजे में ध्रुवों और पर्वत शृंखला का ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, समुद्र की जलसतह का ऊपर उठना, महासागरों की अम्लता में बढ़ोतरी, अभूतपूर्व चक्रवात, सूखे का बढ़ता प्रकोप और रेगिस्तान का विस्तार इत्यादि आज देखने को मिल रहे हैं। पर्यावरण पर बच्चों के अभियान का यह अचानक आरंभ स्वीडन के एक विद्यालय में पढ़ने वाली 15 वर्षीय लड़की ग्रेटा थनबर्ग के यत्नों की वजह है। उसे नोबल पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। पिछली 20 अगस्त को ग्रेटा अपने स्कूल न जाकर अपने देश की संसद के बाहर धरने पर बैठ गई। उसके हाथ में बैनर था, जिस पर लिखा था 'स्कोल्स्ट्रेजक फॉर क्लाइमेटेट' (स्कूल स्ट्राइक फॉर क्लाइमेट यानी पर्यावरण को लेकर स्कूली बच्चों का धरना)। वह शुक्रवार का दिन था। उसके बाद से यह किशोरी लगभग हर शुक्रवार को संसद के बाहर बैठकर स्वीडन की सरकार को ऐसी नीतियां बनाने को प्रेरित करती आई है जो पेरिस पर्यावरण संधि के अनुरूप हों। पहले-पहल तो उस पर किसी का ध्यान नहीं गया और उसका साथ देने कोई नहीं आया। इसके बावजूद उसने अपने अभिभावकों को यकीन दिलवाया कि वह सही राह पर है। उसकी मां, जो एक जानी-मानी ऑपेरा गायिका है, उसने भी ग्रेटा के अभियान से प्रेरित होकर विमानों में उड़ान भरना छोड़ दिया ताकि वायु प्रदूषण में कमी लाने में आंशिक सहयोग कर सके। भले ही इससे उनके अपने और पति के काम पर असर क्यों न पड़ता हो। ग्रेटा के पिता एक अभिनेता और लेखक हैं। इन तीनों ने मांसाहार को भी छोड़ दिया है। ग्रेटा के धरने में उसकी कक्षा के विद्यार्थी भी जुड़ने लगे। अब ग्रेटा और उसका परिवार शुद्ध शाकाहारी है और यात्रा केवल रेल से करता है ताकि वायु-जल प्रदूषण में कमी लाने में अपना हिस्सा डाल सके। ग्रेटा को दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच के सम्मेलन में एकत्र हुए विश्व से सबसे अमीर और ताकतवर लोगों को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया। वहां उसने पर्यावरणीय बदलावों से अवश्यंभावी तबाही पर तुरंत ध्यान देकर इसकी रोकथाम करने को आज की सबसे बड़ी जरूरत गिनाया है।

माओ त्से तुंग अक्सर एक चीनी कहावत का इस्तेमाल किया करते थे ः 'एक छोटी से चिंगारी बड़ी ज्वाला में तबदील हो जाती है।' इसको सिद्ध करते हुए ग्रेटा थनबर्ग की निजी पहल एक वैश्विक अभियान में बदलती नजर आ रही है।

लेखक ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ ग्लोबल एंड एरिया स्टडीज में प्रोफेसर हैं।

ज्ञान गंगा

योग

जग्गी वासुदेव/ योग कोई व्यायाम की प्रणाली नहीं है, जैसा कि आज सामान्य रूप से समझा जाता है। ''योग' का शाब्दिक अर्थ है ''जुड़ना'' या ''मिलना'। लेकिन आप के अपने अनुभव में एक आप हैं और एक ब्रह्माण्ड है। जब किसी भी कारण से जीवन में थोड़ी भी कड़वाहट आ जाती है या कुछ गड़बड़ हो जाती है, तो फिर आप की स्थिति ''आप विरु द्ध ब्रह्माण्ड' की हो जाती है। आप एक गलत प्रकार के मुकाबले में उतर जाते हैं। मनुष्यों की जो भी समस्याएं हैं- उनके डर, उनकी असुरक्षा की भावना-वे इसलिये है क्योंकि वे इस तरह से जीते हैं जैसे सारा ब्रह्माण्ड उनके विरु द्ध हो। योग का अर्थ है कि आप जागरूकतापूर्वक अपनी व्यक्तिगतता की सीमाओं को मिटाते हैं। सिर्फ विचारों और भावनाओं में नहीं, बल्कि वास्तविक रूप से, अपने अनुभव में। आप व्यक्ति और ब्रह्माण्ड को एकरूप कर देते हैं। तो योग, कोई सुबह शाम किया जाने वाला अभ्यास नहीं है। हां, इसमें अभ्यास है, लेकिन अभ्यासों के अलावा भी इसके अन्य आयाम हैं। आप के जीवन का हर पहलू- जिस तरह से आप चलते हैं, सांस लेते हैं, बात करते हैं- सभी कुछ उस जुड़ाव या मिलन की ओर बढ़ने की एक प्रक्रिया बन सकता है। ऐसा कोई भी काम नहीं है, जो इस प्रक्रिया का हिस्सा न बन सके। यह कोई कार्य नहीं है, यह एक विशेष गुण है। आप अगर अपने शरीर, मन, भावनाओं और ऊर्जाओं को एक खास तरह से विकसित करते हैं तो आप में एक विशेष गुण आ जाता है। यही योग है। आप अगर अपने बगीचे की देखभाल अच्छी तरह से करते हैं तो वहां फूल खिलते हैं। इसी तरह अगर आप उसकी अच्छी तरह से देखभाल करें, जिसे आप ''मैं' कहते हैं, तो फिर सुंदर फूल खिलेंगे ही। इसका अर्थ यह है कि शांत, प्रसन्न, आनंदित होना आप के बाहर की परिस्थिति पर निर्भर नहीं होगा, इन चीजों को आप तय करेंगे आप जब सुबह उठते हैं, तो पहली चीज जो आप को करनी चाहिये वह है मुस्कुराना क्योंकि यह कोई छोटी बात नहीं है कि आप सुबह उठ गए हैं। ऐसे हजारों लोग हैं जो कल रात सोये थे और आज सुबह उठे ही नहीं। लेकिन आप उठ गए हैं तो मुस्कुराइये, क्योंकि आप उठ गए हैं। और फिर इधर-उधर देखिये, अगर वहां कोई है तो उन्हें देख कर भी मुस्कुराइए क्योंकि लाखों लोगों के लिये, उनका कोई प्रियजन आज सवेरे नहीं उठे। आप के जितने भी प्रियजन हैं वे सब उठ गए हैं-वाह, आज तो बढ़िया दिन है, है न?

पांच पीढ़ियों का न्यायिक अनुभव वाला लोकपाल

अरुण नैथानी

भले ही देश ने पारदर्शी लोकतंत्र के रखवाले लोकपाल के लिये पांच दशक इंतजार किया हो, मगर देर आये दुरुस्त आये की तर्ज पर देश को एक लोकपाल मिला है जो निर्भीक व संवेदनशील फैसलों के लिये जाना जाता है। निःसंदेह उनके रक्त में न्यायिक संस्कार हैं। पांच पीढ़ियों का लगातार न्यायिक सेवा में सक्रिय रहना निःसंदेह व्यक्ति को न्याय की गरिमा और दायित्वों का अहसास करा जाता है। आजादी से पहले और आजादी के बाद पीढ़ी-दर-पीढ़ी हासिल होने वाले अनुभवों ने ही पी. सी. घोष को परिपक्व न्यायिक दृष्टि दी है।

वर्ष 1952 में जन्मे पिनाकी चंद्र घोष आमतौर पर पी. सी. घोष के नाम से जाने जाते हैं। उनके पिता जस्टिस शंभू चंद्र घोष कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रह चुके हैं। जस्टिस पी. सी. घोष का परिवार विधि के क्षेत्र में पांच पीढ़ियों से कार्यरत है। दरअसल, उनके परिवार का नाता देवन बनारसी घोष से है। वर्ष 1857 में भारत की पहली सदर दीवानी अदालत में इन्हीं के परिवार के हर चंद्र पहले भारतीय मुख्य जज बने थे। जस्टिस घोष ने कोलकाता के सेंट जेवियर्स कॉलेज से स्नातक की डिग्री हासिल की। इसके उपरांत उन्होंने कोलकाता यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री हासिल की। वर्ष 1976 में एक वकील के तौर पर पश्चिम बंगाल बार काउंसिल से जुड़ गये। उन्हें कंपनी अफेयर्स, सांविधानिक मामलों व सिविल लॉ का विशेषज्ञ माना जाता है।

वर्ष 1997 में जस्टिस घोष को कलकत्ता हाईकोर्ट का जज बनाया गया। उसके उपरांत वे वर्ष 2012 में आंध्र हाईकोर्ट में जज बने। कालांतर उन्हें यहां का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया। वर्ष 2013 में वे सुप्रीमकोर्ट में जज बने जहां से वर्ष 2017 में सेवानिवृत्त हुए। जस्टिस पी. सी. घोष को सख्त फैसले लेने के लिये जाना जाता है। वे मानवीय मामलों में बेहद संवेदनशील और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति गहरे समर्पित रहते हैं। हाल ही में वे तब चर्चा में आये जब उन्होंने बाबरी विध्वंस मामले में भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेताओं के खिलाफ फैसला सुनाते हुए उनके खिलाफ केस चलाने का आदेश दिया था। जस्टिस घोष कई मशहूर फैसलों के लिये याद किये जाते हैं। उनकी ही बेंच ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता व उनकी साथी शशिकला के खिलाफ मुकदमा चलाने का आदेश दिया था। जस्टिस घोष और जस्टिस अमिताभ राय की बेंच ने दोनों को बड़ी संपत्ति खरीदने के लिये जनता का पैसा इस्तेमाल करने का दोषी ठहराया था। जस्टिस घोष वाली खंडपीठ ने बाबरी विध्वंस मामले में वर्ष 2017 में बीजेपी के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी, उमा भारती, मुरली मनोहर जोशी और कल्याण सिंह के खिलाफ ट्रायल कोर्ट को आरोप दर्ज करने के लिये कहा था। उनके फैसलों में घरेलू हिंसा से जुड़ा एक मामला खासा चर्चित हुआ था। जस्टिस चंद्रमौली व जस्टिस घोष की बेंच ने फैसला दिया था कि घरेलू हिंसा के मामले में तुरंत गिरफ्तारी न हो, ऐसा करना अदालत की अवमानना माना जायेगा। सुप्रीमकोर्ट का जज रहते हुए जस्टिस राधाकृष्णन की बेंच में उन्होंने फैसला सुनाया था कि जल्लीकट्टू और बैलगाड़ी दौड़ की प्रथाएं पशु क्रूरता निवारण अधिनियम का उल्लंघन करती हैं। जो बताता है कि वे सिर्फ मानवीय सरोकारों के ही प्रति नहीं बल्कि जीव-जंतुओं के प्रति भी उतने ही संवेदनशील हैं। इस फैसले में उनकी संवेदनशील दृष्टि को गहरे तक महसूस किया जा सकता है। जस्टिस घोष सामाजिक कार्यों से भी जुड़े रहे हैं। वह रामकृष्ण मिशन के सेवा प्रकल्पों में सक्रिय रहे हैं। इस समय तक वह राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य थे। अब जबकि पी. सी. घोष देश के पहले लोकपाल चुन लिये गये हैं और उनकी टीम का ऐलान हो गया है तो उम्मीद जगी है कि स्वच्छ व पारदर्शी लोकतंत्र के लिये उनके फैसले भारतीय लोकतंत्र की अस्मिता की रक्षा में मील का पत्थर साबित होंगे। यह बात अलग है कि वर्ष 2013 में लोकपाल कानून बनने के बाद लोकपाल संस्था तब अस्तित्व में आई जब सुप्रीमकोर्ट ने दबाव बनाया। यह संस्था तब अस्तित्व में आई जब राजग सरकार का कार्यकाल समाप्त होने को था और आम चुनावों के लिये देश में आचार संहिता लागू हो गई। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि पांच दशक की जद्दोजहद के बाद अस्तित्व में आयी लोकपाल संस्था निर्भय होकर भ्रष्टाचारी नेताओं व नौकरशाहों पर नकेल डालेगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि सख्त फैसले लेने के लिये चर्चित पी. सी. घोष लोकपाल संस्था को सार्थकता प्रदान करने में सक्षम होंगे। यह गरिमामय पद है और पांच साल का कार्यकाल व देश के मुख्य न्यायाधीश जितनी सुविधाएं लोकपाल पद को प्रतिष्ठा देती हैं। निःसंदेह पी. सी. घोष इसे नयी गरिमा देंगे।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

फिल्मी दुनिया

शाहीर शेख बेहद मददगार सह कलाकार : रिया शर्मा

मुंबई। अभिनेत्री रिया शर्मा का कहना है ये रिश्ते हैं प्यार के के उनके सह-कलाकार शाहीर शेख बेहद ही मददगार और उत्साह बढ़ाने वाले हैं। सह-कलाकार के रूप में उनकी कैमिस्ट्री के बारे में बात करते हुए रिया ने एक बयान में कहा, मैंने उन्हें पहली बार टीवी पर नव्या.नए धड़कन नए सवाल शो में देखा था और मुझे उनका किरदार बहुत पसंद आया था। उन्होंने कहा, मैं उनके जैसे प्रतिभाशाली कलाकार के साथ काम करने को लेकर खुद को बहुत ही भाग्यशाली मानती हूं। बतौर सह-कलाकार वह बेहद मददगार और प्रोत्साहकहैं और हमने शूटिंग के दौरान बहुत मजे किए। स्टारप्लस के इस शो में ऑनस्क्रीन जोड़े के बीच प्यार भरे क्षणों को दिखाया गया है।

पेरिस जैक्सन की सेहत में हो रहा सुधार

लॉस एंजलिस । दिवंगत पॉप स्टार माइकल जैक्सन की बेटी व मॉडल पेरिस जैक्सन की सेहत में सुधार हो रहा है और वह पूरे उत्साह से अपना 21वां जन्मदिन मनाने के लिए तैयार हैं। उनके घर 16 मार्च को एक एंबुलेंस बुलाई गई थी। शुरू में खबरें आई थीं कि उन्होंने आत्महत्या का प्रयास किया है, लेकिन पेरिस ने तुरंत ही सोशल मीडिया पर उन अफवाहों को खारिज कर दिया था। उन्होंने अफवाहों को झूठा करार दिया था। पेरिस बाद में अपने प्रेमी गैबरियल ग्लेन के साथ दिखाई दी थीं। जब वे दोनों केएफसी में वक्त बिता रहे थे उस समय पेरिस के चेहरे पर मुस्कान देखी जा सकती थी। एक सूत्र ने ईऑनलाइन डॉट कॉम को बताया, वह वास्तव में ठीक हो रही हैं और उन लोगों की बातें सुन रही हैं, जो उन्हें सही दिशा दे रहे हैं। सूत्र ने कहा, वह पिछले कुछ दिनों से काफी सकारात्मक नजर आ रही हैं, इसलिए यह जानकार खुशी हो रही है कि वह ठीक हो रही हैं। तीन अप्रैल को पेरिस का 21वां जन्मदिन है। सूत्र ने कहा, सभी उम्मीद कर रहे हैं कि यह दिन उनकी जिंदगी में एक नया दिन साबित होगा।

बॉलीवुड में बहुत से मुखर लोग - रिया कपूर

नई दिल्ली । फिल्मकार रिया कपूर का कहना है कि बॉलीवुड में मी टू अभियान महिलाओं को अपनी आवाज तलाशने के लिए सही दिशा में एक बड़ा कदम था और अब फिल्म जगत में बहुत से मुखर लोग हैं। रिया ने यहां आईएएनएस को बताया, यहां (फिल्म जगत में) बहुत से मुखर लोग हैं..लोग अपनी आवाज को तलाशना सीख रहे हैं। हम यह जानने के लिए उठ खड़े हुए हैं कि जो भी हम सोचते और कहते हैं उसका मूल्य है..इसलिए मुझे लगता है कि यहां बहुत से लोग हैं जो अपनी आवाज को तलाश चुके हैं और बोलने में पर्याप्त रूप से सशक्त हैं। उन्होंने कहा, मी टू अभियान महिलाओं को अपनी आवाज तलाशने के लिए सही दिशा में एक बड़ा कदम था और पुरुषों के लिए उनकी आवाज को समझना उनका समर्थन करेगा। 32 वर्षीय निर्माता ने कहा कि मुखर होने के लिए जिम्मेदार होना भी बहुत जरूरी है। रिया अनिल कपूर की बेटी और अभिनेत्री सोनम के. आहूजा व हर्षवर्धन कपूर की बहन हैं। उन्होंने 2010 में आयशा के साथ बतौर फिल्म निर्माता के रूप में अपना सफर शुरू किया था और बाद में उन्होंने खूबसूरत और वीरे दी वेडिंग जैसी फिल्मों का निर्माण किया।

ताहिरा ने की नियमित जांच, मैमोग्राफी कराने की अपील

मुंबई । लेखक-निर्देशक और अभिनेता आयुष्मान खुराना की पत्नी ताहिरा कश्यप ने सभी से नियमित रूप से जांच कराने और जरूरत पड़ने पर मैमोग्राफी कराने की अपील की है। ताहिरा ने शुक्रवार शाम ट्वीट किया, महसूस हुआ कि सभी से नियमित जांच कराने का आग्रह करूं। अगर डॉक्टर सलाह दें तो कृपया मैमोग्राम कराएं। कृपया किसी लक्षण को नजरंदाज ना करें। मास्टेक्टोमी (स्तन को काटकर हटाना) की प्रक्रिया से गुजर चुकीं ताहिरा ने कहा, कृपया अपना पूरा खयाल रखें. स्तन कैंसर जागरूकता..(रोग का) जल्द पता लगना। पिछले साल 22 सितंबर, ताहिरा ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बताया था कि उनके दायें स्तन में डीसीआईएस (डक्टल कार्सिनोमा इन सीचु) के लक्षण पाए गए हैं। नवंबर में मास्टेक्टॉमी कराने के बाद वे काम पर लौट आईं।

बाहुबली ने मुझे बहुत बहादुर बनाया : तमन्ना भाटिया

नई दिल्ली ।

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया का कहना है कि बाहुबली के दो भागों का हिस्सा होने से न केवल उन्हें शारीरिक रूप से साहसी बनाया है बल्कि जिंदगी में फैसले लेने के मामले में भी बहादुर बनाया है। अभिनेत्री की वर्ष 2019 में पहले ही दो फिल्में रिलीज हो चुकी हैं और उनके पास विभिन्न शैलियों व भाषाओं की कई फिल्में हैं। तमन्ना की तेलुगू फिल्म एफ2 फन एंड फ्रस्ट्रेशन व कन्ने कलाईमाने इस साल पहले ही पर्दे पर दस्तक दे चुकी हैं और देवी 2 दैट इज महालक्ष्मी के साथ-साथ सई रा नरसिम्हा रेड्डी रिलीज के लिए तैयार हैं। इसके अलावा उन्होंने हाल ही में एक तेलुगू फिल्म और एक तमिल फिल्म साइन की है। हिंदी फिल्मों के बारे में पूछने पर तमन्ना ने बताया, फिलहाल तो मैं किसी हिंदी फिल्म में काम नहीं कर रही। मैं हिंदी फिल्में करने के लिए तैयार हूं। लेकिन मैं हिंदी के नाम पर कुछ भी नहीं करना चाहती।

मैं फिल्म करना चाहती हूं क्योंकि मैं एक अच्छी फिल्म का हिस्सा बनना चाहती हूं। सई रा नरसिम्हा रेड्डी हिंदी में भी रिलीज होगी। यह फिल्म पूरे भारत में रिलीज होगी। चिरंजीवी अभिनीत इस फिल्म में मेगास्टार अमिताभ बच्चन भी दिखाई देंगे। वह एक कलाकार और एक व्यक्ति के रूप में उनकी जिंदगी बदलने के लिए एस.एस. राजमौली की प्रसिद्ध फिल्म बाहुबली को श्रेय देती हैं, जिसमें उन्होंने अवंतिका नाम की एक योद्धा का किरदार निभाया था। उन्होंने कहा, मैं उनमें से हूं, जिन्हें ऊंचाई से बहुत डर लगता था।

मैं कोई ऐसी व्यक्ति नहीं थी जो बहुत साहसी हो। क्योंकि मुझे बहुत सारे स्टंट करने थे और बाहुबली में किरदार की शारीरिकता बहुत आवश्यक थी। मैं न केवल शारीरिक रूप से, बल्कि अपने जीवन में निर्णय लेने के मामले में भी बहुत अधिक साहसी और बहादुर बनी। तमन्ना ने कहा, मैं जान-बूझकर अब ऐसी फिल्में चुनती हूं, जिनमें मेरे लिए कुछ दिलचस्प हो।

खान त्रिमूर्ति फिल्म इंडस्ट्री के आखिरी सुपरस्टार: फातिमा

मुंबई ।

बॉलीवुड की दंगल गर्ल फातिमा सना शेख खान त्रिमूर्ति को फिल्म इंडस्ट्री का आखिरी सुपरस्टार मानती है। आमिर खान के साथ फिल्म दंगल और ठग्स ऑफ हिंदोस्तान में काम कर चुकीं फातिमा सना शेख का कहना है कि बॉलीवुड के तीन खान इंडस्ट्री के आखिरी सुपरस्टार होंगे। फातिमा ने कहा, ‘सुपरस्टार्स वाला युग काफी पहले खत्म हो चुका। खान्स के बाद मुझे नहीं लगता कि हमें कोई सुपरस्टार्स मिलेंगे। अब सभी उपलब्ध रहते हैं लेकिन पहले ये सब उपलब्ध नहीं होते थे। हम न तो उन्हें सोशल मीडिया पर सर्च कर सकते थे और न ही उनकी जिंदगी को फॉलो कर सकते थे। हम उनसे सिर्फ फिल्मों के माध्यम से ही संपर्क कर पाते थे। फातिमा ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, ‘मेरे दिमाग पर सिर्फ अभिनय था, जो एक वजह जिसके चलते मैं हर ऑडीशन में जाती थी वो ये होती थी कि मुझे कैमरा के सामने परफॉर्म करने का मौका मिलता था, भले ही सेटअप छोटा क्यों न हो। दंगल से पहले कभी भी मुझे खुद अपने लिए प्रोजेक्ट चुनने का मौका नहीं मिला था। मैंने दंगल इसलिए की थी क्योंकि तब मेरे पास वही एकमात्र विकल्प था। हर एक्टर इस फेज से गुजरता है. चीजें इसी तरह काम करती हैं। मुझे खुशी है कि उस फिल्म के बाद और ठग्स ऑफ हिंदोस्तान के बाद मेरे पास अब और विकल्प हैं।

सारा अली खान को पहली ही फिल्म के लिए मिला फिल्मफेयर, इस शख्स के साथ बांटी खुशी

मुंबई ।

अपनी खूबसूरती, बेबाक लहजे और हाजिरजवाबी के लिए सुर्खियों में रहने वाली सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान के लिए इस बार फिल्मफेयर अवॉर्ड्स का 64वां एडिशन यादगार रहेगा। बता दें कि सारा अली खान को बेस्ट डेब्यू का अवॉर्ड मिला हैद्य उन्हें ये पुरस्कार फिल्म केदारनाथ के लिए मिला, जिसमें सुशांत सिंह राजपूत लीड रोल में थेद्य बता दें कि फिल्मफेयर अवॉर्ड्स का 64वां एड़िशन मुंबई में चल रहा है जिसमें अलग-अलग केटेगरी में सितारों को अवॉर्ड दिए गए। आपको बता दें कि, केदारनाथ रिलीज होने से पहले कई मुश्किलों में थी। फिल्म की रिलीज को लेकर असमंजस की स्थिति थी। लेकिन आखिरकार फिल्म रिलीज हुई थी और इसमें सारा की परफॉर्मेंस को काफी सराहा गया। अब सारा को इसी फिल्म के लिए जब अवॉर्ड मिला है तो उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरों के साथ अपनी खुशी जाहिर की है।

सारा लिखती हैं कि, फिल्मफेयर इस अवॉर्ड के लिए धन्यवाद। इस ब्लैक लेडी को किस करना सच में असली है। टीम केदारनाथ यह आपका है। धन्यवाद मेरे सपने को पूरा करने के लिए। जय भोलेनाथ। इस अवॉर्ड नाइट में फिल्मी दुनिया के बड़े- बड़े सितारें शामिल हुए हैं द्य कुल 26 कैटेगरी में ये पुरस्कार दिए गए ।बता दें कि, इस अवॉर्ड नाइट में फिल्मी दुनिया के बड़े-बड़े सितारें शामिल हुए हैं द्य कुल 26 कैटेगरी में ये पुरस्कार दिए गए। रणबीर कपूर को 64वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड दिया गया है द्य उन्हें ये पुरस्कार फिल्म संजू के लिए मिला है द्य राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी ये फिल्म संजय दत्त के जीवन पर आधारित रही द्य आलिया भट्ट बेस्ट एक्टर इन फीमेल रोल चुनी गई हैं द्य उन्हें फिल्म राज़ी के लिए ये अवॉर्ड दिया गया है ।

पानीपत में पेशवा के किरदार में अर्जुन कपूर

मुंबई ।

भारतीय इतिहास पर आधारित आगामी फिल्म पानीपत में अपने किरदार को कई बार छिपाने की कोशिश करने के बाद अंततः अर्जुन कपूर ने किरदार के बारे में बात की और कहा कि फिल्म में वह पेशवा का किरदार निभाएंगे। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की फिल्म करने पर होने वाले दवाब के बारे में अर्जुन ने एक कार्यक्रम में कहा, ‘जब आप शूटिंग में खो जाते हैं तो आप दवाब के बारे में नहीं सोचते। आप सिर्फ इतना सोचते हैं कि आपके शॉट, सीन और काम को अच्छा होना है। अपनी पहली ऐतिहासिक फिल्म में संजू सर, कृति के साथ काम करने का आनंद ले रहा हूं। चूंकि आशू सर सोचते हैं कि मैं जब आपके सामने पेशवा के रूप में आऊंगा तो उसका प्रभाव पड़ना चाहिए, इसलिए मैं अभी तक अपना किरदार छिपा रहा था। तो मैं फिल्म में पेशवा का किरदार कर रहा हूं। उन्होंने कहा, नीता लुल्ला ने कॉस्ट्यूम्स पर शानदार काम किया है। हमने फिल्म की लगभग 60 प्रतिशत शूटिंग कर ली है तो मुझे लगता है कि आगामी दो महीनों में हम फिल्म पूरी कर लेंगे और उम्मीद है कि आप लोग मेरी फिल्म को इस साल के अंत तक देख लेंगे। निर्देशक आशुतोष गोवारीकर के निर्देशन में बन रही पानीपत में संजय दत्त और कृति सेनन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म इसी साल छह दिसंबर को रिलीज होगी।

अब सिल्वर स्क्रीन पर अपना जलवा बिखेर सकती है इस अभिनेता की बेटी

मुंबई।

पिछले कुछ सालों से बॉलिवुड में कई स्टारकिड्स ने फिल्मों में डेब्यू किया है। इस लिस्ट में ऐक्टर जैकी श्रॉफ के बेटे टाइगर श्रॉफ का नाम भी शामिल है। टाइगर श्रॉफ ने साल 2014 में फिल्म हीरोपंती से बॉलिवुड में डेब्यू किया था और खुद को एक ऐक्शन हीरो के तौर पर स्थापित किया है। खबरों के मुताबिक बॉलिवुड में अपने करियर की शुरूआत करने के लिये एक और नाम सामने आ रहा है। जी हां.. अब टाइगर की बहन कृष्णा भी उनके नक्शे कदम पर चलना शुरू कर सकती हैं। इस समय जैकी श्रॉफ की बेटी कृष्णा श्रॉफ सोशल मीडिया की सिलेब्रिटी हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 4.50 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। हाल में जैकी श्रॉफ ने कहा कि उनकी बेटी कैमरा फेस करने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा, कृष्णा ने 2 साल तक फिल्ममेकिंग सीखी है और एक डॉक्यूमेंट्री ब्लैकशीप बनाई है। इसके बाद उन्होंने एक साल तक किंडरगार्टन के बच्चों को पढ़ाया और टाइगर की मुन्ना माइकल में असिस्ट किया और इसके बाद एक स्पोर्ट्स अकैडमी में बास्केटबॉल सिखाने लगीं। कृष्णा स्पोर्ट्स के मामले में स्टूडेंट ऑफ द इयर हैं। इससे पहले साल 2018 में कृष्णा ने कहा था, जब बात ऐक्टिंग की आती है तो मैं हमेशा से बिल्कुल स्पष्ट हूं कि मैं ऐक्टिंग के लिए नहीं बनी हूं। मैं कैमरा फेस करने वाले लोगों में से नहीं हूं। मैं बहुत कॉम्पिटेटिव पर्सन हूं और इसलिए अगर मुझमें किसी काम के लिए जुनून नहीं है तो उसे अपना 100 पर्सेंट नहीं दे सकती। इसके कारण मैं उस काम को अच्छी तरह से नहीं कर सकती और ऐसा काम करने से इनकार कर देती हूं।

सूरत। फायर सेफ्टी के उपकरणों के अभाव में एस.एम.सी द्वारा श्री जी आरकेड, गोड़ादरा रोड़ सूरत में सील मार कर सभी दुकानों को बंद कर दिया गया है।

दानह श्रम विभाग के प्रयास से दानह की महिला कामदारों को मिला न्याय

सिलवास। जनहित कामदार संघ के कामदार बनाम ईसान इंडस्ट्रीज, दादरा के बीच मिनीमम वेजिस न मिलने के कारण प्रदेश के मिनीमम वेजिस अथॉरिटी के पास संघ द्वारा 60 महिला कामदारों के लिए केस दर्ज कराया गया था।

केस की सुनवाई करते हुए आरडीसी सिलवासा राकेश मिन्हास ने आपसी समझौते के साथ दोनों पक्षों के बीच समाधान करने का निर्देश दिया। इसके बाद लेबर ऑफिसर प्रशांत जोशी ने 30 महिला कामदारों को आज 29 मार्च को मिनीमम वेजिस के तहत सभी को बीस-बीस हजार रुपये नगद दिलाया। साथ ही 14 महिला कामदार को कंपनी में आमेलित कर लेने से उन्हें पैसा नहीं दिया गया और 14 महिला कामदारों को अगली सुनवाई के दिन पैसा मुहैया करवाने के लिए आश्वासन दिया गया है।

गुजरात के मुख्यमंत्री वियय रुपाणी आज रंजनाबेन भट्ट के नामांकन के वक्त बडौदा पहुंचे। जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। रंज नाबेन भट्ट के नामांकन से पहले विशाल जनसभा का आयोजन हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

गांधीनगर लोकसभा सीट से प्रत्याशी राष्ट्रीय अध्यक्ष

४ किमी लंबे रोड शो के बाद अमित शाह भरेंगे नामांकन

मुख्यमंत्री रुपाणी, जीतू वाघाणी, नितिन पटेल सहित राज्य के मंत्रीगण सहित अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे

अहमदाबाद। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह शनिवार को अहमदाबाद में रोड शो करने के बाद गांधीनगर लोकसभा सीट से पार्टी प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन भरेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विजय रुपाणी, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू वाघाणी, डिप्टी सीएम नितिन पटेल सहित राज्य के मंत्रीगण सहित अन्य वरिष्ठ नेता भी उपस्थित रहेंगे। भाज पा ने लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियो की अपनी पहली सूची में गांधीनगर के प्रत्याशी के रूप में शाह के नाम की घोषणा की थी। भाजपा ने गांधीनगर सीट से मौजूदा सांसद लाल कृष्ण आडवाणी की जगह शाह को अपना उम्मीदवार बनाया है। पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री अनिल जैन ने गुरुवार को रोड शो के रूट का निरीक्षण किया। अमित शाह कल शनिवार को दोपहर बाद १२ बजकर ३९ मिनिट पर विजय मुहूर्त में गांधीनगर में नामांकन भरेंगे। नामांकन से पहले शाह का अहमदाबाद में रोड शो आयोजित होगा। कार्यकर्ताओं, धर्मगुरुओ व समाज के प्रतिष्ठित लोगों की उपस्थिति में रोड शो सुबह ९ बजे शाह के अहमदाबाद के नारणपुरा स्थित पुराने आवास से आरंभ होगा। यहां पर वे पहले सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे।

इसके बाद पल्लव चौराहा, शास्त्रीनगर, प्रभात चौक होते हुए पाटीदार चौक तक ४ किलोमीटर की पदयात्रा के रूप में रोड शो आयोजित किया जाएगा। इस रोड के समापन के बाद शाह गांधीनगर पहुचेंगे। यहां पर सेक्टर ६-७ के बस स्टैण्ड से पथिकाश्रम तक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहकर मानव श्रृंखला बनाएंगे। इस मैदान पर विशेष स्टेज बनाया गया है। विभिन्न सामाजिक अग्रणी और विविध वेशभूषा पहने युवा शाह का स्वागत करेंगे। इसके बाद शाह विजय मुहूर्त में गांधीनगर जिला कलक्टर कार्यालय में नामांकन पत्र भरेंगे। पर्चा भरने के दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री राज नाथ सिंह, केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गड़करी, शिवसेना के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल विशेष रूप से मौजूद रहेंगे।

राजस्थान स्थापना दिवस पर वार्षिकोत्सव आज

अहमदाबाद। समस्त राजस्थान समाज गांधीनगर की ओर से ३० मार्च को राजस्थान स्थापना दिवस का भव्य आयोजन सेक्टर-१६ रंगमंच गांधीनगर, गुजरात में सायं ६ से रात ११ बजे तक समस्त राज स्थान समाज का तीसरा वार्षिकोत्सव गंगासिंह परमार की अध्यक्षता, उमेद सिंह चम्पावत के मुख्य आतिथ्य, दिनेश दुबे, सत्यनारायण शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित किया जायेगा।

राजस्थानी कलाकारों की ओर से लोक नृत्य, टीवी कलाकार दीपिका भाट, दिलराज बंजारा प्रस्तुति देंगे। इससे पूरे वातावरण को राजस्थानमय बनाया जाएगा। इस अवसर पर जन्मभूमि राजस्थान छोड़कर कर्मभूमि गुजरात में नाम रोशन करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा।

अहमदाबाद में ४२.२ डिग्री तापमान दर्ज

मार्च में गर्मी के तेवर : अमरेली में ४३ डिग्री तापमान दर्ज हुआ

अहमदाबाद, डीसा, गांधीनगर, वडोदरा, सुरत, अमरेली, राजकोट, सुरेन्द्रनगर, भुज में ४० डिग्री से उपर तापमान

सुरत। मार्च महीने में ही गर्मी पसीने छुड़ाने लगी है। अहमदाबाद शहर में शुक्रवार को तापमान ४२.२ डिग्री को छु गया और सबसे ज्यादा तापमान अमरेली में ४३ डिग्री दर्ज किया गया। राज्य में सबसे गर्म पहले नंबर शहर अमरेली रहा। यह तापमान दो वर्ष (मार्च माह) से सबसे अधिक है। राज्य के १० से अधिक प्रमुख शहरों में तापमान ४० डिग्री से अधिक रहा। अहमदाबाद में सुबह से ही गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए थे। दोपहर को चिलचिलाती धूप के कारण घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया। इसका असर सड़कों पर भी देखा गया। पिछले चार दिनों में राज्य के विविध भागों में भीषण गर्मी की चेतावनी भी जारी की जा रही है। अहमदाबाद में शुक्रवार को तापमान ४२.२ डिग्री दर्ज किया गया। पिछले दो वर्षो में मार्च माह में यह सबसे अधिक तापमान है। राज्य का अमरेली शहर ४३ डिग्री तापमान के साथ सबसे गर्म शहर रहा। सुरेन्द्रनगर में तापमान ४३.७ डिग्री दर्य किया गया। राज्य के अधिकांश भागो में तापमान ४० डिग्री से अधिक रहा। वडोदरा, राजकोट, भुज सूरत जैसे शहरों में भी इसी तरह ही गर्मी का अनुभव लोगों को हो रहा है। संभावना जताई जा रही है कि आगामी दिनों में तापमान और बढ़ सकता है। दोपहर के वक्त शहरों की सड़के अब सुमसाम हो जाती है। लोग ऑफिस और घर से कम निकलना पसंद कर रहे हैं। आशंका जताई जा रही है कि अभी भी गर्मी का कहर बढ़ सकता है।

डांग। डांग में आयोजित अलग-अलग जगहों पर देश का त्यौहार कार्यक्रम के अंतर्गत स्कुल के विधार्थीयों ने अलग-अलग स्थानों पर रंगोली बनायाई एवं मानव श्रृखला बना कर लोगों में मतदान करने के लिए जागरुक किया।

सूरत। शहर के कामरेज विस्तार में आने वाले आर. के. प्राथमिक शाला खोलवाड़ में देश का त्यौहार कार्यक्रम के अंतर्गत स्कुल के विधार्थीयों ने अलग-अलग स्थानों पर रंगोली बनायाई एवं मानव श्रृखला बना कर लोगों में मतदान करने के लिए जागरुक किया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**